


---

# Garudakritam Shiva Stava

——  
**गरुडकृतं शिवस्तवः**

——  
**Document Information**



---

Text title : Garudakritam Shiva Stava

File name : garuDakRRitaMshivastavaH.itx

Category : shiva, shivarahasya, stava

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | bhImAkhyah aShTamAMshah | adhyAyaH 20 garuDasya  
IshvaraprasAdaH | 18-23||

Latest update : July 4, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 5, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



गरुडकृतं शिवस्तवः



(शिवरहस्यान्तर्गते भीमाख्ये)

देव देव सकलामरवन्द्य  
विश्वनाथ शशिचूड महेश ।  
व्योमकेश जितपञ्चशरेश  
शूलमूलकर दारितकाल ॥ १८ ॥

मारमार हरिसायक शम्भो  
कालकण्ठ करुणाकर धीर ।  
घोरपातकभयादिहरेश  
पाहि मां वरदयाघनसार ॥ १९ ॥

क्षयद्वीरं वीरं गरधरमुमाकान्तमधुना  
शरण्यं मौलीन्दुद्युति विजितदिग्बक्रतमसम् ।  
महागोद्यर्चमकृत पटसटाशोभिन्हरि-  
स्फुरद्वक्षोहारिप्रखरनखरोद्योतितनखम् ॥ २० ॥

प्रपद्ये देव त्वां श्रुतिवरशिरश्चारुपटली-  
वलीढं ते पादं सकलसुरमौलिद्युतपदम् ।  
अनाथानां नाथं सकलजगतामेकशरणं  
शरण्यं त्वां शम्भुं भवहरणपादं कलयतः ॥ २१ ॥

यथा चेतो नित्यं न भजति तथा प्राकृत सुरान्  
हरिब्रह्मामर्त्यान्त्सवरुणमरुत्वादिकगुणान् ।  
भवं भावापन्नं श्रुतिवरशिरोवेद्यचरितं  
तवेशानं कस्ते प्रचरति नरः स्तव्यमधुना ॥ २२ ॥

मदीयोऽयं मन्तुः सहतु च भवानेव नमसा  
यतो वेदे वेद्यो भवसि सहमानस्त्वमधुना ।  
तथाप्येतद्भक्त्या त्वयि गदितमेतद्विजतु मे

वचः पथ्यं स्वास्थ्यं क्षमसि मयि तिर्यक्तवदयया ॥ २३ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते गरुडकृतं शिवस्तवः सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । भीमाख्यः अष्टमांशः । अध्यायः २० गरुडस्य ईश्वरप्रसादः । १८-२३ ॥

- .. shrIshivarahasyam . bhImAkhyah aShTamAMshaH . adhyAyaH 20 garuDasya  
IshvaraprasAdaH . 18-23..

Proofread by Ruma Dewan

---

—  
*Garudakritam Shiva Stava*

pdf was typeset on July 5, 2024

—  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

